REACH Lilly MDR-TB Partnership

Media Fellowship Programme

2010-11 FELLOW: ANUPAMA KUMARI

Anupama Kumari *is based in Ranchi and is senior correspondent at Tehelka magazine. She was earlier associated with Prabhat Khabar. Some of her previous fellowships were from the National Foundation for India and the Centre for Science and Environment. Anupama enjoys writing on health, women, children and other development issues. She is always trying to be the voice of the voiceless.*

नापो को नापो तो जानें

अनुपमा | 10/30/2010 8:49:23

यह असम का माजुली गांव नहीं है, जिसका अस्तित्व दांव पर लगा हुआ है. मिटता जा रहा है तो उस मिटते हुए गांव को, दांव पर लगी जिंद्गानियों को देखने हजारों सैलानी देश के कोने-कोने से पहुंचते हैं. यह एक झारखंडी गांव है, जिसका अस्तित्व दांव पर लगा हुआ है, जिंद्गानियां तील-तील मौत के आगोश में समा रही है. लेकिन इस गुमनाम गांव को देखने-सुनने कोई नहीं आता. गांव का नाम है नापो. हजारीबाग जिले में पड़ताहै.

उसी हजारीबाग जिले में, जो मिथ और लोकमानस में हजार बागों के इलाके के रूप में मशहूर रहा है. अब इसकी नयी पहचान है. बाग की जगह यहां जानलेवा धुएं उगलती हुई चिमनियां दिखती हैं और इन चिमनियों ने हजारीबाग को राज्य में सबसे ज्यादा स्पंज आयरन फैक्ट्री वाले जिले के रूप पहचान दिलायी है. इस जिले में करीबन 35 स्पंज आयरन फैक्ट्रियां हैं. इन्हीं में से दो फैक्ट्रियों के बीच नापो गांव पड़ता है.

"When I reached there (Napo in Jharkhand) I first met with Mainawa Devi, who is a T.B patient. She is getting medical treatment from a private doctor for the last one and half years but is not fully cured as yet. For want of money her treatment has been discontinued. She is unaware of the DOTS programme run by the Government. While talking to Mainawa, many others come and surround us. Soon, around 25 persons suffering from TB were there. Except one or two, none had heard about DOTS".

10 years REACH in the fight against TB

SPEAK UP TO STOP TB

THE Lilly MDR-TB PARTNERSHIP